BSEH Practice Paper (March 2025)

Class: 12th (Senior Secondary)

Code: A

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HISTORY

ACADEMIC/OPEN

खंड- क (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **1×21=21**

Section-A (Objective Questions)

1. (ब) हरियाणा (b) Haryana **1**

2. (ब) कौटिल्य (b) Kautilya **1**

3. (अ) अलबरूनी (a) Alberuni **1**

4. (स) मध्य प्रदेश (c) Madhya Pradesh **1**

5. (ब) तुंगभद्रा (b) Tungabhadra **1**

6. (स)1813 ई0 (c)1813 ई0 **1**

7. (स) लॉर्ड कैनिंग (c) Lord Canning **1**

8. (द) गोपाल कृष्ण गोखले (d) Gopal Krishna Gokhale **1**

Downloaded from www.cclchapter.com

9. चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री **1**

9. Daughter of Chandragupta II **1**

10. अंतर्विवाह का अर्थ है किसी व्यक्ति का समूह, वर्ण या जाति के अंदर ही विवाह करना। **1**

10. Endogamy means marriage within a person's group, caste or caste.

11. सुल्तान मोहम्मद -बिन -तुगलक **1**

11. Sultan Mohammad -Bin- Tughlaq

12. कर्नल कॉलिन मैकेंज़ी ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में स्कॉटिश सेना अधिकारी थे जो बाद में भारत के पहले सर्वेयर जनरल बने। **1**

12. Colonel Colin Mackenzie was a Scottish Army officer in the British East India Company who later became the first Surveyor General of India.

13. 26 दिसंबर 1929 ई0 **1**

13. 26 December 1929 AD.

14. धम्म महामात्य **1**

14. Dhamma Mahamatya

15. अलवार **1**

15. Alwar

Downloaded from www.cclchapter.com

16. लार्ड कार्नवालिस **1**

16. Lord Cornwallis

17. बैरकपुर **1**

17. Barrackpur

18. 1916 **1**

18. 1916

19. (b) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। **1**

19. (b) Both Assertion (A) and Reason (R) are correct but (R) does not correctly explain (A).

20. (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है। **1**

20. (a) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

21. (b) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। **1**

22. 21. (b) Both Assertion (A) and Reason (R) are correct but (R) does not correctly explain (A).

Downloaded from www.cclchapter.com

खंड- ख (लघु उत्तरीय प्रश्न 3×8=24

Section-B (Short Answer Questions)

23. हड़प्पाकालीन जीवन निर्वाह के मुख्य तरीकों का वर्णन इस प्रकार है- 3

(i) **कृषि-** हड़प्पा सभ्यता के निवासी कई प्रकार के पड़े-पौधों से प्राप्त उत्पाद और जानवरों जिनमें मछली भी शामिल है, से अपना भोजन प्राप्त करते थे। जले अनाज के दानों और बीजों से पुरातत्वविद आहार संबंधी आदतों के विषय में जानकारी प्राप्त करने में सफल हो पाए हैं। इनका अध्ययन पुरा-वनस्पतिज्ञ करते हैं जो प्राचीन वनस्पति के अध्ययन के विशेषज्ञ होते हैं। हड़प्पा स्थलों से मिले अनाज के दानों में गेहूँ, जौ, दाल, सफ़ेद चना तथा तिल शामिल हैं। बाजरे के दाने गुजरात के स्थलों से प्राप्त हुए थे। चावल के दाने अपेक्षाकृत कम पाए गए हैं।

(ii) **पशुपालन-** हड़प्पा स्थलों से मिली जानवरों की हड्डियों में मवेशियों, भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर की हड्डियाँ शामिल है। पुरातत्वविदों द्वारा किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ये सभी जानवर पालतू थे।

(iii) **शिकार करना-** जंगली प्रजातियों जैसे वराह (सुअर), हिरण तथा घड़ियाल की हड्डियाँ भी मिली हैं। हम यह नहीं जान पाए हैं कि हड़प्पा-निवासी स्वयं इन जानवरों का शिकार करते थे अथवा अन्य आखेटक-

Downloaded from www.cclchapter.com

समुदायों से इनका मांस प्राप्त करते थे। मछली तथा पक्षियों की हड्डियाँ भी मिली है।

The main methods of subsistence of the Harappan period are described as follows-

(i) Agriculture- The inhabitants of the Harappan civilization obtained their food from a variety of plant products and animals, including fish. Archaeologists have been able to obtain information about dietary habits from burnt grain grains and seeds. These are studied by palaeobotanists who are experts in the study of ancient vegetation. Grains found at Harappan sites include wheat, barley, pulses, white gram and sesame. Millet grains were obtained from sites in Gujarat. Relatively few grains of rice have been found.

(ii) Animal husbandry- Animal bones found from Harappan sites include bones of cattle, sheep, goat, buffalo and pig. Studies conducted by archaeologists indicate that all these animals were domesticated.

(iii) Hunting- Bones of wild species like boar, deer and crocodile have also been found. We have not been able to know whether the Harappans themselves hunted these animals or obtained their meat from other hunter-gatherers. Bones of fish and birds have also been found.

अथवा/OR

Downloaded from www.cclchapter.com

यद्यपि अनाज के दानों से कृषि के संकेत मिलते है परन्तु हड़प्पाकालीन कृषि प्रौद्योगिकी के विषय में स्पष्ट जानकारी मिलना कठिन है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर हड़प्पाकालीन कृषि विधियों का संक्षिप्त वर्णन इस प्रकार है-

(i) **कृषि विधियाँ-** जुते हुए खेतों में बीजों का छिड़काव किया जाता था। मुहरों पर बैलों के चित्रों के मिलने के आधार पर पुरातत्वविद् यह मानते हैं कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। साथ ही चोलिस्तान के कई स्थलों और बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप मिले हैं। इसके अतिरिक्त पुरातत्वविदों को कालीबंगन (राजस्थान) नामक स्थान पर जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है। इस खेत में हल रेखाओं के दो समूह एक-दूसरे को समकोण पर काटते हुए विद्यमान थे जो दर्शाते हैं कि एक साथ दो अलग-अलग फसलें उगाई जाती थीं।

(ii) **औजारों का प्रयोग-** पुरातत्वविदों ने फसलों की कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों को पहचानने का प्रयास भी किया है। क्या हड़प्पा सभ्यता के लोग लकडी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों का प्रयोग करते थे या फिर वे धातु के औजारों का प्रयोग करते थे।

(iii) **सिंचाई के साधन-** अधिकांश हड़प्पा स्थल अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में स्थित हैं जहाँ संभवतः कृषि के लिए सिंचाई की आवश्यकता पड़ती होगी। अफगानिस्तान में शोर्तुघई नामक हड़प्पा स्थल से नहरों के कुछ अवशेष

Downloaded from www.cclchapter.com

मिले हैं, परन्तु पंजाब और सिंध में नहीं। सिचाई के लिए जलाशयों का भी प्रयोग किया जाता था। इसके अतिरिक्त धौलावीरा (गुजरात) में मिले जलाशयों का प्रयोग संभवतः कृषि के लिए जल संचयन हेतू किया जाता था।

Although there are indications of agriculture from the grains, it is difficult to get clear information about the agricultural technology of the Harappan period. On the basis of available evidence, a brief description of the agricultural methods of the Harappan period is as follows-

(i) **Agricultural methods-** Seeds were sprayed in plowed fields. Seals But on the basis of finding pictures of oxen, archaeologists believe that oxen were used to plow the fields. Also, models of plow made of clay have been found at many sites of Cholistan and Banawali (Haryana). Its. Additional archaeologists have found evidence of plowed fields at a site called Kalibangan (Rajasthan). In this field there were two sets of plow lines intersecting each other at right angles, indicating that two different crops were grown simultaneously.

(ii) **Use of tools-** Archaeologists have also tried to identify the tools used for harvesting crops. Did the people of the Harappan civilization use stone flails fitted with wooden handles or did they use metal tools?

(iii) **Means of irrigation-** Most of the Harappan sites are located in semi-arid areas where irrigation would probably be required for agriculture. Some remains of canals have been found from a

Downloaded from www.cclchapter.com

Harappan site called Shortughai in Afghanistan, but not in Punjab and Sindh. Reservoirs were also used for irrigation. Apart from this, the reservoirs found in Dholavira (Gujarat) were probably used to store water for agriculture.

23. **3**

अशोक ने अपने शासन काल में अनेक अभिलेख खुदवाए थे। इसके अभिलेखों का भारतीय इतिहास में एक विशेष स्थान है। अशोक के अभिलेखों के ऐतिहासिक महत्त्व का वर्णन इस प्रकार है-

(i) ये अभिलेख मौर्य साम्राज्य की जानकारी के महत्त्वपूर्ण स्त्रोत है।

(ii) इन अभिलेखों से हमें मौर्य साम्राज्य के विस्तार का पता चलता है।

(iii) इन अभिलेखों से हमें अशोक द्वारा किए गए प्रजाहित कार्यों की जानकारी प्राप्त होती है।

(iv) ये अभिलेख मौर्य कला के उत्तम उदाहरण है।

(vi) इन अभिलेखों से हमें अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए किए गए प्रयासों का पता चलता है।

Ashoka had many inscriptions engraved during his reign. Its inscription has a special place in Indian history. The historical importance of Ashoka's inscriptions is described as follows-

(i) These inscriptions are important sources of information about the Maurya Empire.

Downloaded from www.cclchapter.com

(ii) From these inscriptions we come to know about the expansion of the Maurya Empire.

(iii) From these inscriptions we get information about the various works done by Ashoka.

(iv) These inscriptions are excellent examples of Maurya art.

(vi) From these inscriptions we come to know about the efforts made by Ashoka to propagate Buddhism.

24. **3**

(i) महायान सम्प्रदाय के ग्रन्थ संस्कृत भाषा में है जबकि हीनयान सम्प्रदाय के ग्रन्थ पालि भाषा में है।

(ii) महायान सम्प्रदाय में मूर्ति पूजा आरम्भ हो गई जबकि हीनयान सम्प्रदाय में गौतम बुद्ध को आदर्श और पवित्रता का प्रतीक पुरुष माना गया।

(iii) महायान बौद्ध धर्म का नूतन सम्प्रदाय है जबकि हीनयान बौद्ध धर्म का प्राचीन सम्प्रदाय है।

(i) The texts of Mahayana sect are in Sanskrit language whereas the texts of Hinayana sect are in Pali language.

(ii) Idol worship started in the Mahayana sect, whereas in the Hinayana sect, Gautam Buddha was considered an ideal man and a symbol of purity.

(iii) Mahayana is a new sect of Buddhism while Hinayana is an ancient sect of Buddhism.

Downloaded from www.cclchapter.com

25. **3**

बनियर फ्रांस का निवासी था। वह 17वीं शताब्दी में भारत आने वाले विदेशी यात्रियों में सबसे अधिक प्रसिद्ध था। वह भारत में मुगल शासक शाहजहाँ के शासनकाल में 1656 ई० में भारत आया तथा 1668 ई० तक भारत में रहा। वह एक प्रसिद्ध चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक और इतिहासकार था। उसकी पुस्तक का नाम 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' है।

Barnier was a resident of France. He was a foreigner who came to India in the 17th century Was the most famous among the travellers. He was the son of Mughal ruler Shah Jahan in India.

Came to India in 1656 AD during his reign and stayed in India till 1668 AD. He Was a famous physician, politician, philosopher and historian. His The name of the book is 'Travels in the Mughal Empire'.

26. **3**

इस्लाम धर्म में कुछ आध्यात्मिक लोगों का रहस्यवाद और वैराग्य की तरफ झुकाव बढ़ा, इन्हें सूफी कहा जाने लगा। कुछ विद्वानों का मानना है कि सूफी शब्द 'सूफ' शब्द से बना है जिसका अर्थ है 'ऊन' अर्थात् वे लोग जो खुरदरे ऊनी वस्त्र पहनते हो। अन्य विद्वान इस शब्द की उत्पत्ति 'सफा' से मानते हैं. जिसका अर्थ है साफ। इसके अर्थ और उत्पत्ति के विषय में विद्वान एकमत नहीं है।

Downloaded from www.cclchapter.com

In the religion of Islam, the inclination of some spiritual people towards mysticism and renunciation increased, they came to be called Sufis. Some scholars believe that the word Sufi is derived from the word 'Suf' which means 'wool' i.e. people who wear rough woollen clothes. Other scholars believe the origin of this word to be from 'Safa'. Which means clean. Scholars are not unanimous regarding its meaning and origin.

अथवा /OR

चिश्ती उपासना की विधियों का वर्णन इस प्रकार है- **3**

(i) सूफी संतों की दरगाह की धार्मिक यात्रा करना जिसे जियारत कहा जाता है।

(ii) नाच और संगीत भी जियारत का हिस्सा थे।

(iii) सूफी संत समा यानी आध्यात्मिक संगीत की महफिल के द्वारा ईश्वर की उपासना में विश्वास रखते थे।

The description of the methods of Chishti worship is as follows-

(i) Making a religious pilgrimage to the shrine of Sufi saints which is called Ziyarat.

(ii) Dance and music were also part of Ziyarat.

(iii) Sufi saints worship God through Sama i.e. gathering of spiritual music believed in worship.

Downloaded from www.cclchapter.com

27. **3**

विजयनगर के राजकीय केन्द्र में स्थित महानवमी डिब्बा एक विशालकाय मंच था जो 11000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट ऊँचा था। यह विजयनगर शासन में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक मंच था जिस पर राज्य के अनेक महत्वपूर्ण अनुष्ठान सम्पन्न किये जाते थे। इनका वर्णन इस प्रकार है।-

(i) इस मंच से जुड़े अनुष्ठान दशहरा, दुर्गा पूजा तथा महानवमी के समय संपन्न किए जाते थे। इस अवसर पर विजयनगर के शासक अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते थे।

(ii) इस अवसर पर शासक नायकों की सेना का निरीक्षण करता था।

(iii) इस अवसर पर मूर्ति पूजा एवं अश्व पूजा की जाती थी तथा भैंसो और अन्य जानवरों की बलि दी जाती थी।

Mahanavami Dibba, located in the royal center of Vijayanagara, was a huge platform which was 40 feet high with a base of 11000 square feet. It was an important public stage during the Vijayanagara rule on which many important rituals of the state were performed. Their description is as follows.-

(i) The rituals associated with this stage were performed during Dussehra, Durga Puja and Mahanavami. On this occasion the rulers of Vijayanagara used to display their power.

(ii) On this occasion the ruler used to inspect the army of heroes.

Downloaded from www.cclchapter.com

(iii) On this occasion, idol worship and horse worship were performed and buffaloes and other animals were sacrificed.

28. **3**

मंगल पांडे बंगाल में बैरकपुर छावनी का एक सैनिक था। जब एक अंग्रेज अधिकारी ने उसे चर्बी वाले कारतूस प्रयोग करने के लिए मजबूर किया तो उसने अंग्रेज अधिकारी की हत्या कर दी। इस हत्या के लिए उसे 8 अप्रैल 1857 ई० को फांसी दे दी गई। वह भारत का प्रथम शहीद माना जाता है।

Mangal Pandey was a soldier of Barrackpur Cantonment in Bengal. When a British officer forced him to use greased cartridges, he killed the British officer. He was hanged for this murder on 8 April 1857. He is considered the first martyr of India.

29. **3**

गाँधी जी ने 1917 ई. में बिहार के चम्पारण जिले में नील की खेती करने वाले किसानों पर बागान के यूरोपीय मालिकों द्वारा अत्याचार के विरुद्ध सत्याग्रह किया। दक्षिण अफ्रीका से भारत वापिस आने के बाद गाँधी जी का यह पहला सत्याग्रह था। गाँधी के इस सत्याग्रह से सरकार परेशान हो गई थी तथा मजबूर होकर सरकार ने एक जाँच आयोग नियुक्त किया एवं गाँधी जी को भी इसका सदस्य बनाया गया। इस आयोग ने किसानों की समस्याओं की जाँच की तथा कानून बनाकर सभी गलत प्रथाओं को

Downloaded from www.cclchapter.com

समाप्त कर दिया एवं किसानों को भूमि स्वामी स्वीकार किया गया। तत्कालीन समय में यह गांधी जी की बड़ी उपलब्धि थी।

Satyagraha against the atrocities on farmers by European plantation owners. This was Gandhiji's first Satyagraha after returning to India from South Africa. The government was troubled by this Satyagraha of Gandhi and was forced to appoint an inquiry commission and Gandhiji was also made a member of it. This commission investigated the problems of the farmers and by making laws, all the wrong practices were ended and the farmers were accepted as land owners. This was a big achievement of Gandhiji at that time.

अथवा/OR

1918 ई. में अहमदाबाद की एक सूती कपड़ा मिल के मजदूरों ने बोनस को लेकर एक हड़ताल का आयोजन किया। महात्मा गाँधी जी द्वारा इस हड़ताल का नेतृत्व किया गया। गाँधी जी ने खुद भी इस हड़ताल में पहली बार अनशन रखा। मजबूर होकर मिल मालिक मजदूरों से समझौता करने के लिए तैयार हो गए तथा मजदूरों को 35 प्रतिशत भत्ता देने की घोषणा कर दी जिससे हड़ताल समाप्त हो गई। चम्पारण के बाद यह गांधी जी का भारत में दूसरा सफल सत्याग्रह था।

In 1918 AD, workers of a cotton textile mill in Ahmedabad organized a strike regarding bonus. This strike was led by Mahatma Gandhi. Gandhiji himself fasted for the first time in this

Downloaded from www.cclchapter.com

strike. The mill owners are forced to be ready to compromise with the workers.

He went and announced to give 35 percent allowance to the workers due to which the strike ended. After Champaran, this was Gandhiji's second successful Satyagraha in India.

खंड- ग (निबंधात्मक प्रश्न) 3×6=18

Section-D (Essay Questions)

30. **6**

हड़प्पा सभ्यता में शासक के अस्तित्व को लेकर विद्वान एकमत नहीं है। कुछ पुरातत्वविद इस मत के हैं कि इस सभ्यता में शासक नहीं थे। परन्तु प्राप्त हुए विभिन्न प्रमाणों के आधार पर तथा सभ्यता के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ विषयों को लेकर जो समरूपता पाई गई है. उसके आधार पर कहा जा सकता है कि शासको की इस सभ्यता में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही होगी। हड़प्पाई समाज में शासकों द्वारा निम्न संभावित कार्य सम्पन्न किए जाते होंगे-

(i) पुरावस्तुओं में एक रूपता स्थापित करना-हड़प्पा सभ्यता में पुरावस्तुओं मुहरों, बाटों तथा ईंटों में पाई जाने वाली असाधारण एकरूपता से स्पष्ट होता है कि पूरी सभ्यता में इस एकरूपता की स्थापना करना जनसामान्य के बस की बात नहीं थी। इन जटिल कार्यों को शासक के द्वारा कानून के माध्यम से सम्पन्न किया जाता होगा।

Downloaded from www.cclchapter.com

(ii) नगरयोजना बनाना शासकों का द्वितीय अति महत्वपूर्ण कार्य नगरयोजना बनाना रहा होगा। हड़प्पा सभ्यता में नगर एक सुनिश्चित योजना के द्वारा बनाए जाते थे। नगरों में जल निकासी की उत्तम व्यवस्था की जाती थी। सड़को को ग्रिड पद्धति पर बनाया जाता था। आपदा के समय के लिए अन्न को सुरक्षित रखने हेतू अन्नागार जैसी संरचना को स्थापित करना। ये सभी कार्य एक शासक के द्वारा ही नियमित रूप से सम्पन्न किए जाते होंगे।

(iii) शिल्प-उत्पादन के लिए कच्चे माल का प्रबन्धन हड़प्पा सभ्यता में अनेक शिल्प-उत्पादन कार्यों का संपादन होता था। इन शिल्प उत्पादन कार्यों के लिए आवश्यक कच्चे माल को उपलब्ध करवाना शासन तंत्र की ही जिम्मेवारी रही होगी।

(iv) कच्चे माल की प्राप्ति के लिए बस्तियाँ स्थापित करना-अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से गति प्रदान करने के लिए शासकों के द्वारा शिल्प उत्पादन के लिए कच्चे माल की प्राप्ति के लिए सभ्यता के अनेक स्थानों पर बस्तियाँ

स्थापित की गई होगी। उदाहरण के लिए नागेश्वर और बालाकोट में जहाँ शंख आसानी से उपलब्ध था, बस्तियां स्थापित की।

Downloaded from www.cclchapter.com

(v) अभियान भेजना एवं सुदुर क्षेत्रों में सम्बन्ध स्थापित करना शासकों के द्वारा व्यापारिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने हेतु समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर अभियान भेजे जाते थे। जैसे राजस्थान के खेतड़ी अंचल से ताँबा प्राप्त करने के लिए अभियान भेजना। विभिन्न प्रमाणों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता का ओमान, मेलुहा आदि बाहरी क्षेत्रों से सम्बन्ध रहा था। इन सभी कार्यों को शासकों के द्वारा ही किया जा सकता था। इस प्रकार स्पष्ट है कि उपर्युक्त कार्यों की नियमित रूप तथा प्रभावी ढंग से सम्पन्न केवल शासक वर्ग ही कर सकते थे। ये सभी निर्णय आम लोग सामूहिक रूप से नहीं ले सकते थे।

Scholars are not unanimous about the existence of a ruler in the Harappan civilization. Some archaeologists are of the opinion that there were no rulers in this civilization. But on the basis of various evidences received and the similarity that has been found regarding some subjects in different areas of civilization. On the basis of that, it can be said that rulers must have played an important role in this civilization. The following possible tasks would have been performed by the rulers in the Harappan society:

(i)To establish uniformity in the antiquities – The extraordinary uniformity found in the antiquities, seals, weights and bricks of the Harappan civilization makes it clear that it was not within the power of the common man to establish this uniformity in the entire civilization. These complex tasks would have been accomplished by the ruler through law.

Downloaded from www.cclchapter.com

(ii) Making town planning: The second most important task of the rulers must have been making town planning. In the Harappan civilization, cities were built according to a definite plan. Good drainage arrangements were made in the cities. Roads were built on the grid system. Establishing a structure like a granary to preserve food grains in times of disaster. All these tasks must have been performed regularly by a ruler.

(iii) Management of raw materials for craft production: Many craft production tasks were carried out in the Harappan civilization. It must have been the responsibility of the government system to provide the necessary raw materials for these craft production works.

(iv) Establishing settlements to obtain raw materials - In order to provide a smooth pace to the economy, the rulers must have established settlements at many places in the civilization to obtain raw materials for craft production. For example, settlements were established in Nageshwar and Balakot where conch shells were easily available.

(v) Sending expeditions and establishing relations in remote areas. From time to time, expeditions were sent by the rulers to various places to organize trade activities. Like sending an expedition to get copper from Khetri region of Rajasthan. Various evidences show that the Harappan civilization had relations with outer areas like Oman, Meluhha etc. All these works could be done only by the rulers. Thus, it is clear that only the ruling class could accomplish the above mentioned tasks regularly and effectively.

Downloaded from www.cclchapter.com

The common people could not take all these decisions collectively.

अथवा /OR

सामाजिक जीवन-

हडप्पा सभ्यता में परंपरागत परिवार की सामाजिक ईकाई थी। उनका सामाजिक जीवन सुखी एवं सुविधापूर्ण था। उत्खनन में प्राप्त हुई बहुसंख्यक नारी मूर्तियों की प्राप्ति से संकेत मिलता है कि उनका परिवार मातृ सत्तात्मक था।

हड़प्पाकालीन समाज की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है:-

* हडप्पा सभ्यता के लोग शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनो भोजन करते थे।

* खुदाई से प्राप्त सुइयों से यह अनुमान लगाया जाता है कि लोग सीले वस्त्र पहनते थे।

* उस समय केश विन्यास प्रचलित था।स्त्रियाँ जुड़ा करती थी। पुरुष लंबे बाल और दाढ़ी- मूंछ रखते थे।

* इस सभ्यता के लोग आभूषण के शौकीन थे जिसमें कण्ठहार, कर्णफूल, हँसुली, भुजाबंध, कड़ा, अँगूठी आदि पहनते थे।

* इनके आभूषण बहुमुल्य पत्थर, हाथी दाँत, हड्डी एवं शंख के बनते थे।

Downloaded from www.cclchapter.com

* यहाँ के निवासी आमोद- प्रमोद के प्रेमी थे। पासा इस काल का प्रमुख खेल था।

धार्मिक जीवन- हड़प्पा सभ्यता के धार्मिक स्वरूप के बारे में किसी भी प्रकार का लिखित साहित्य उपलब्ध नहीं है। यहाँ हुए उत्खनन के अवशेषों के आधार पर ही हम यहाँ के धार्मिक स्वरूप का वर्णन कर सकते हैं।

* हडप्पा संस्कृति में मिस्त्र व मेसोपोटामिया की तरह किसी मंदिर के अवशेष प्राप्त नहीं हुये हैं और न ही कोई ऐसा भवन मिला है जिसे मंदिर की, संज्ञा दी जा सके।

* मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा में प्राप्त मूर्तियों को मातृदेवी की मूर्तियां मानते हैं। इनसे अनुमान लगाया जा सकता है कि यहाँ मातृदेवी की पूजा होती थी जिसे आज हम दुर्गा, काली, चंडी, गौरी आदि के रूप में मानते हैं।

* एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से पौधा निकलता हुआ दिखाया गया है। जो संमभतः धरती पर देवी की मूर्ति है। अतः संभव है कि हड़प्पावासी धरती को देवी मानकर उसकी पूजा करते थे। • मैंके महोदय को मोहनजोदड़ों से एक ऐसी मुद्रा प्राप्त हुई है जिसमें तीन मुख वाला पुरुष योग मुद्रा में बैठा है और इसके तीन सींग है। इसके बाईं ओर एक गैंडा और भैंसा है, दाईं

Downloaded from www.cclchapter.com

और एक हाथी और बाघ है है। इसके सम्मुख एक हिरण है इसकी तुलना पशुपति से की गई है।

* ये लोग वृक्ष (विशेषतः पीपल) की पूजा करते थे। क्योंकि मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुद्रा पर दो जुड़वां पशुओं के शीर्ष पर 9 पीपल की टहनियाँ दिखाई गई है।

Social life-

The traditional social unit in the Harappan civilization was the family. His social life was happy and comfortable. The majority of female figurines found during excavation indicate that their family was matriarchal.

The main features of the Harappan society are as follows:-

* The people of Harappa civilization ate both vegetarian and non-vegetarian food.

* From the needles recovered from the excavation, it is estimated that people used to wear stitched clothes.

* Hairstyle was popular at that time. Women used to join. Men had long hair and beard and moustache.

* People of this community were fond of jewellery in which they used to wear necklaces, earrings, hansuli, armbands, bracelets, rings etc.

* Their jewellery was made of precious stones, ivory, bone and conch.

Downloaded from www.cclchapter.com

* The residents here were lovers of fun and enjoyment. Dice was the main game of this period.

Religious life-

There is no written literature available about the religious nature of Harappan civilization. We can describe the religious nature of this place only on the basis of the remains excavated here.

* In the Harappan culture, like Egypt and Mesopotamia, no remains of any temple have been found, nor has any building been found which can be called a temple.

* The idols found in Mohenjo-Daro and Harappa are considered to be the idols of Mother Goddess. From these it can be inferred that Mother Goddess was worshiped here, whom today we consider as Durga, Kali, Chandi, Gauri etc.

* In one statue, a plant is shown emerging from the womb of a woman. Which is probably the idol of a goddess on earth. Therefore, it is possible that the Harappans considered the earth a goddess and worshiped it. My sir has received a statue from Mohenjo-Daro in which a three-faced man is sitting in yoga posture and has three horns. To its left is a rhinoceros and buffalo, to the right an elephant and a tiger. There is a deer in front of it which has been compared to Pashupati.

* These people used to worship trees (especially Peepal). Because on a currency obtained from Mohenjo-Daro, 9 Peepal branches are shown on the top of two paired animals.

Downloaded from www.cclchapter.com

31. **6**

सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक देव जी थे। उनका जन्म 1469 ई. में रावी नदी के तट पर स्थित तलवंडी नामक गाँव में हुआ था। उन्होंने सिख धर्म के अनुयायियों के लिए अपनी शिक्षाएँ या विचार पंजाबी भाषा में दिए, उनके संदेश उनके भजनों में निहित है। सिक्ख धर्म की प्रमुख शिक्षाएँ इस प्रकार है-

(i) ईश्वर की भक्ति निष्काम भाव से करनी चाहिए। ईश्वर सर्व शक्तिमान है। वह सर्वव्यापक है। उसका कोई आकार नहीं है तथा वह अदृश्य है। ईश्वर का नाम स्मरण और उसके समक्ष आत्मसमर्पण ही उसकी प्राप्ति का एकमात्र माध्यम है।

(ii) सिक्ख धर्म में गुरु को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। अतः उन्होंने मनुष्य के जीवन में गुरू को अनिवार्यता दी है।

(iii) इस धर्म में गृहस्थ जीवन का परित्याग उचित नहीं माना जाता। उनके अनुसार ईश्वर प्राप्ति के मार्ग में बाधक नहीं बल्कि साधक है, जल में ही कमलवत रहकर ही वास्तव में ईश्वर को प्राप्त करना सर्वश्रेष्ठ है।

(iv)सिक्ख धर्म जाति-पाति, धर्म एवं वर्गभेद के विरूद्ध है। उन्होंने धर्म के बाहरी कर्मकांड़ों का विरोध किया जैसे यज्ञ, व्रत एवं पवित्र स्नान आदि।

Downloaded from www.cclchapter.com

(v) उन्होंने आपसी प्रेम, सहयोग जैसी भावनाओं को समाज में बनाए रखने के लिए लंगर जैसी प्रथा का आरम्भ किया।

(vi) उन्होंने सदाचार, परोपकार, नेक कमाई जैसे माननीय गुणों के विकास पर बल दिया।

The originator of Sikhism was Guru Nanak Dev Ji. He was born in 1469 AD in a village named Talwandi situated on the banks of river Ravi. He gave his teachings or thoughts to the followers of Sikhism in the Punjabi language; his message being contained in his hymns. The main teachings of Sikhism are as follows-

(i) Worship of God should be done selflessly. God is all powerful. He is omnipresent. It has no shape and is invisible. Remembering the name of God and surrendering before Him is the only means to attain it.

(ii) Guru has been given utmost importance in Sikhism. Therefore, he has made Guru essential in man's life.

(iii) In this religion, abandoning the underground life is not considered appropriate. According to him, God is not an obstacle in the path of attainment but is a seeker, it is best to actually attain God only by living like a lotus in water.

(iv) Sikhism is against caste, religion and class discrimination. He opposed the external rituals of religion like yagya, fasting and holy bath etc.

(v) He started the practice of langar to maintain feelings like mutual love and cooperation in the society.

Downloaded from www.cclchapter.com

(vi) He emphasized on the development of honourable qualities like morality, charity, righteous earning etc.

अथवा/OR

अलवार, नयनार व वीरशीव दक्षिण भारत में उत्पन्न विचारधाराएँ थीं। इनमें अलवार व नयनार तमिलनाडु में तथा बोरशैव कर्नाटक में थे। इन्होंने जाति प्रथा के बंधनों को अपने ढंग से नकारा। अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा का खंडन किया। उन्होंने सभी मनुष्यों को एक ईश्वर की संतान घोषित किया। इनके साहित्य में वैदिक ब्राह्मणों की तुलना में विष्णु भक्तों को प्राथमिकता दी गई है। ये भक्त चाहे किसी भी जाति अथवा वर्ण से थे। अलवार व नयनार संत ब्राह्मण समाज, शिल्पकार और किसान समुदाय से थे। इनमें से कुछ तो 'अस्पृश्य' समझी जाने वाली जातियों में से भी थे। अलवार समाज ने इन संतों व उनकी रचनाओं को पूरा सम्मान दिया तथा उन्हें वेदों जितना प्रतिष्ठित बताया। अलवार संतों का एक मुख्य काव्य 'नलचिरादिव्यप्रबंधम्' को तमिल वेद के रूप में मान्यता दी गई।

लिंगायत समुदाय के लोगों ने भी जाति व्यवस्था का विरोध किया। उन्होंने ब्राह्मणीय धर्मशास्त्रों की मान्यताओं को नहीं स्वीकारा। उन्होंने वयस्क विवाह तथा विधवा पुनर्विवाह को मान्यता था। इस समुदाय में अधिकतर वे लोग शामिल हुए जिनको ब्राह्मणवादी व्यवस्था में विशेष

Downloaded from www.cclchapter.com

महत्त्व नहीं मिला। इनका विश्वास था कि जाति व्यवस्था वर्ग विशेष के हितों की पूर्ति करती है।

Alwar, Nayanar and Veerasiva were ideologies that originated in South India. Among them, Alvars and Nayanars were in Tamil Nadu and Borshaivas were in Karnataka. In his own way, he rejected the constraints of the caste system. Alwar and Nayanar saints rejected the caste system. He declared all human beings to be children of one God. In their literature, Vishnu devotees have been given priority compared to Vedic Brahmins. These devotees belonged to any caste or varna. Alwar and Nayanar saints belonged to the Brahmin community, craftsmen and farmers community. Some of them even belonged to the castes considered 'untouchable'. The Alwar community gave full respect to these saints and their writings and considered them as prestigious as the Vedas. Nalchiradivyaprabandham, a major poem of the Alwar saints, was recognized as the Tamil Veda.

People of Lingayat community also opposed the caste system. He did not accept the beliefs of Brahmin theology. He recognized adult marriage and widow remarriage. This community mostly included those people who did not get special importance in the Brahmanical system. He believed that the caste system serves the interests of a particular class.

32. **6**

1857 ई. के विद्रोह के परिणाम निम्नलिखित है:-

Downloaded from www.cclchapter.com

(i) कंपनी शासन का अंत- परिणाम सामने आए सबसे महत्त्वपूर्ण परिणाम यह निकला कि ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त कर दिया गया। इस संबंध में 1 नवंबर, 1858 ई. को महारानी विक्टोरिया ने एक घोषणा की। भारत का शासन प्रबंध अब ब्रिटिश संसद के अधीन कर दिया गया। बोर्ड ऑफ कंट्रोल तथा कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्ज को तोड़ दिया गया। भारत का शासन चलाने के लिये भारतीय मंत्री की नियुक्ति की गई। उसको सहयोग देने के लिए 15 सदस्यों की एक कौंसिल बनाई गई।

(ii) अंग्रेजों का भारतीय राजाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव- 1857 ई. के विद्रोह के पश्चात् अग्रेजों ने

भारतीय राजाओं के प्रति नई नीति अपनाई। उनको आश्वासन दिया गया कि भविष्य में कभी भी उनके राज्यों

को अंग्रेजी राज्य में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। हड़प की नीति का त्याग किया गया। अब उनको पुत्र गोद लेने की आज्ञा दी गई। अब केवल कुशासन के कारण ही अंग्रेजी सरकार भारतीय रियासतों में हस्तक्षेप कर सकती थी। अंग्रेजी सरकार की स्वीकृति के बिना भारतीय शासक किसी अन्य शक्ति के साथ संबंध स्थापित नहीं कर सकते थे। जिन शासकों ने विद्रोह के दौरान अंग्रेजों को सहयोग दिया था उनको विशेष पुरस्का दिये गये।

Downloaded from www.cclchapter.com

(iii) मुगल वंश तथा पेशवाओं का अंत- मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वितीय ने 1857 ई. के विद्रोह में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोहियों का साथ दिया था। अंग्रेजों ने उसको गिरफ्तार कर लिया था। उसको देश निकाला देकर रंगून भेज दिया गया। 1862 ई. में उसकी मृत्यु के पश्चात् मुगल वंश का अंत हो गया। इसी तरह नाना साहिब विद्रोह में असफल रहने के पश्चात् नेपाल की ओर भाग गए। जहाँ उनकी मृत्यु हो गई।

(iv) भारतीय तथा यूरोपीय लोगों के मध्य तनावपूर्ण संबंध-विद्रोह के कारण भारतीयों तथा यूरोपियनों के संबंधों में बहुत तनाव आ गया था। अंग्रेजों ने भारतीयों पर बहुत अत्याचार किए, इसलिए भारतीयों के हृदयं में अंग्रेजों के प्रति घृणा पैदा हो गई।

* इस विद्रोह में बड़े जमींदार और बुद्धिजीवी मध्यम वर्ग ने कोई रुचि नहीं ली और न ही इसका समर्थन किया। उनका तटस्थ रहना विद्रोह के लिए घातक साबित हुआ।

* विद्रोह की असफलता का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारण इसका निश्चित तिथि से पूर्व प्रारंभ हो जाना था।

The results of the rebellion of 1857 AD are as follows:-

(i) The most important result that came out was that the rule of the East India Company was abolished. Queen Victoria made an announcement in this regard on November 1, 1858.

Downloaded from www.cclchapter.com

The administration of India was now placed under the British Parliament. The Board of Control and the Court of Directors were dissolved. Indian ministers were appointed to run the governance of India. To support him, a council of 15 members was formed.

(ii) Change in the attitude of the British towards Indian kings – After the rebellion of 1857 AD, the British Adopted a new policy towards Indian kings. They were assured that at any time in future their states Will not be included in the British Raj. The policy of annexation was abandoned. Now he was allowed to adopt a son. Now the British government could interfere in the Indian princely states only because of misgovernance. Indian rulers could not establish relations with any other power without the approval of the British government. The rulers who had cooperated with the British during the rebellion were given special awards.

(iii) End of Mughal dynasty and Peshwas- Mughal Emperor Bahadur Shah Zafar II supported the rebels against the British in the rebellion of 1857 AD. The British had arrested him. He was exiled and sent to Rangoon. After his death in 1862 AD, the Mughal dynasty came to an end. Similarly, after failing in the rebellion, Nana Sahib fled towards Nepal. Where he died.

(iv) Strained relations between Indians and Europeans – Due to the rebellion, there was a lot of tension in the relations between Indians and Europeans. The British inflicted many atrocities on the Indians, hence hatred towards the British developed in the hearts of the Indians.

Downloaded from www.cclchapter.com

* The big landowners and the intellectual middle class did not take any interest in this rebellion nor did they support it. His neutrality proved fatal for the rebellion.

* The most important reason for the failure of the rebellion was that it started before the scheduled date.

अथवा/OR

(क) सैनिक विद्रोह मात्रः-

(अ) 1857 के विद्रोह की प्रमुख आधारभूमि सैनिकों द्वारा तैयार की गयी थी।

(ब) विद्रोह का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा तात्कालिक कारण चर्बीवाले कारतूसों का मामला था।

(स) विद्रोह का प्रसार संपूर्ण देश में नहीं हुआ। यह उन्हीं नगरों एवं क्षेत्रों तक सीमित रहा जहाँ सैनिक चौकियों और छावनियाँ थी।

(द) विद्रोह का दमन करने में ब्रिटिश सरकार को अधिक कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि इसे सामान्यजनों का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त नहीं था।

(ख) प्रथम स्वतंत्रता संग्रामः-

Downloaded from www.cclchapter.com

(अ) लाखों कारीगरों, किसानों और सिपाहियों ने कन्धे से कन्धा मिलाकर ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ संघर्ष किया। घुमक्कड़ सन्यासियों, फकीरों एवं मदारियों द्वारा गांव-गांव में इसका प्रचार-प्रसार किया।

(ब) आंदोलन में हिन्दू-मुसलमानों ने एकजुट होकर भाग लिया। सभी विद्रोहियों में एक मत से बहादुरशाह को अपना सम्राट स्वीकार किया।

(स) विद्रोह के लगभग सभी केन्द्रों में जनसाधारण ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध सक्रिय भाग लिया।

(द) विद्रोह का क्षेत्र काफी व्यापक था। अनेक देशी रियासतों एवं राज्यों में शासक वर्ग के ब्रिटिश सत्ता के सहयोग एवं समर्थक बने रहने पर भी सेना एवं जनता द्वारा विद्रोह में सक्रिय भाग लिया था।

(A) Military rebellion only:-

(a) The main basis of the rebellion of 1857 was prepared by the soldiers.

(b) The most important and immediate cause of the rebellion was the issue of greased cartridges.

(c) The rebellion did not spread throughout the country. It remained limited to those cities and areas where there were military posts and cantonments.

(d) The British government did not face much difficulty in suppressing the rebellion, because it did not have the cooperation and support of the common people.

Downloaded from www.cclchapter.com

(B) First Freedom Struggle:-

(a) Lakhs of artisans, farmers and soldiers fought shoulder to shoulder against British rule. It was propagated in every village by wandering ascetics, fakirs and madaris.

(b) Hindus and Muslims unitedly participated in the movement. All the rebels unanimously accepted Bahadur Shah as their emperor.

(c) In almost all the centres of rebellion, the common people took active part against the British rule.

(d) The area of rebellion was quite wide. In many native princely states and states, despite the ruling class being supportive and supportive of the British rule, the army and the people took an active part in the rebellion.

खंड- घ (स्त्रोत आधारित प्रश्न) 3×4=12

Section-c Source Based Question

33.

1.मनुस्मृति आरम्भिक भारत का एक प्रसिद्ध विधि ग्रन्थ है। **2**

2. धर्मशास्त्रों में आठ प्रकार के विवाह का वर्णन किया गया है। **1**

3.ब्रह्म विवाह। **1**

33.

1. Manu smriti is a famous legal text of early India.

2. Eight types of marriage have been described in the scriptures.

Downloaded from www.cclchapter.com

3. Intermarriage.

34.

1. औरंगजेब एक शक्तिशाली मुगल शासक था जिसने 1658 ई. से 1707 ई. तक शासन किया। **2**

2. औरंगजेब ने सरकार के वित्तीय हितों तथा किसानों के कल्याण को ध्यान में रखकर भू-राजस्व निर्धारित करने का आदेश अपने राजस्व अधिकारियों को दिया था। **1**

3. मुगलकाल में निर्धारित किए गए भू-राजस्व को 'जमा' कहा जाता था**1**

34.

1. Aurangzeb was a powerful Mughal ruler who ruled from 1658 AD to 1707 AD.

2. Aurangzeb had ordered his revenue officers to determine land revenue keeping in mind the financial interests of the government and the welfare of the farmers.

3. The land revenue determined during the Mughal period was called 'Jamaa'.

35.

1. आदिवासी इलाकों में रहने वाली जनजातियों को। **2**

2. व्यापारी वर्ग के लोगों द्वारा। **1**

Downloaded from www.cclchapter.com

3. आदिवासी या अलपसंख्यक लोगों को विभिन्न वर्ग के लोगों द्वारा लूटा जाता है उनसे व्यापार के नाम पर उनकी जमीनों को छीन लिया जाता है। दशको तक उन्हें बंधनो में जकड़ा जाता है तथा उन्हें उनके मूलभूत अधिकारों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा से वंचित किया जाता है। **1**

35.

1. To the tribes living in tribal areas.

2. By the business class people

3. Tribal or minority people are looted by different classes of people and their lands are taken away from them in the name of business. They are kept in bondage till death and are deprived of their basic rights like education, health and security.

खंड- ड (मानचित्र आधारित प्रश्न) 5

Section-D (Map Based Questions)

(1) Manda

(2) Matsya

(3) Sarnath

(4) Ajmer

(5) Amritsar

Downloaded from www.cclchapter.com

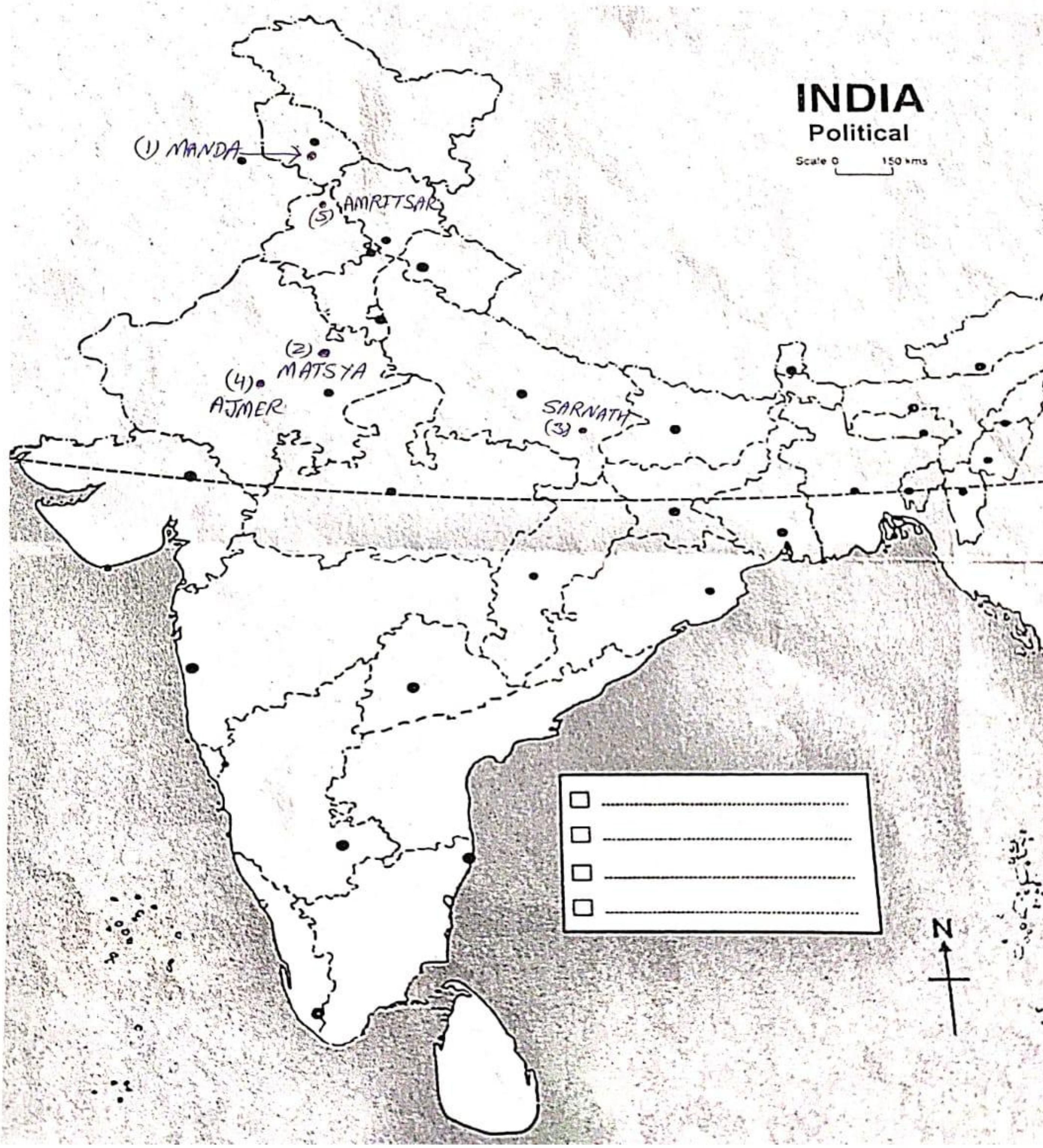

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
Downloaded from www.cclchapter.com
शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

Downloaded from www.cclchapter.com